



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 878]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 25, 2017/कार्तिक 3, 1939

No. 878]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 25, 2017/KARTIKA 3, 1939

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2017

सॉवरन स्वर्ण बांड स्कीम, अधिसूचना सं. 4(25) डब्ल्यू एंड एम/2017 में संशोधन

**सा.का.नि. 1330(अ)—1.** सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 3 के खंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा दिनांक 06 अक्टूबर, 2017 की अधिसूचना सं. फा. 4(25) डब्ल्यू एंड एम/2017 द्वारा अधिसूचित सॉवरन स्वर्ण बांड स्कीम के खंड 13 में विनिर्दिष्ट शर्तों में संशोधन करती है। [अधिसूचना सं. सा.का.नि. 1225 (अ)]

2. मूल अधिसूचना के खंड 13 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“13. सांविधिक नकदी अनुपात के लिए पात्रता:-

सांविधिक नकदी अनुपात की गणना के लिए बैंकों द्वारा केवल धारणाधिकार/रेहन/गिरवी की प्रक्रिया द्वारा अधिगृहित बांड ही प्रयोग में लाए जाएंगे।”

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से,

[फा. सं. 4 (25)-डब्ल्यू एंड एम/2017]

प्रशांत गोयल, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Economic Affairs)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th October, 2017

**Amendment to Sovereign Gold Bond Scheme, Notification No.4(25)-W&M/2017**

**G.S.R. 1330(E)**— 1. In exercise of the powers conferred by clause (iii) of section 3 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Central Government hereby amends the conditions specified in clause 13 of the Sovereign Gold Bond Scheme notified vide Notification No. F.4(25)-W&M/2017 dated 06<sup>th</sup> October 2017 [Notification No.GSR 1225(E)].

2. In place of clause 13 of the original Notification the following shall be substituted:

*“13. Eligibility for Statutory Liquidity Ratio:-*

*Bonds acquired by the banks through the process of invoking lien/ hypothecation/ pledge alone, shall be counted towards Statutory Liquidity Ratio.”*

By Order of the President of India,

[F. No. 4(25)-W&M/2017]

PRASHANT GOYAL, Jt. Secy